an>

Title: Regarding alleged misbehaviour with a woman member of Parliament by local district administration during foundation stone laying ceremony for Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana in Munger, Bihar.

श्रीमती वीणा देवी (मुंगेर): अध्यक्ष महोदया, हम पहली बार इस सदन में आये हैं, इसलिए हमें सदन में बोलने में भी कठिनाई आ रही है। हम मुंगेर क्षेत्र से आते हैं। हमारे जिले लखीसराय के कार्यपालक-अभियंता ने प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना का शिलान्यास करने के लिए हमें फोन किया था। हम जब पहली बार 21 तारीख के कार्यक्रम में गए थे तो पूरी जनता हमारे साथ थी। हमने सारा कार्यक्रम खुशी-खुशी मनाया। लेकिन जब दूसरे दिन 22 तारीख को हमने वहां के लिए प्रस्थान किया उसके पहले ही बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री, जिनको हमने लोक सभा चुनाव में हराया है, उन्होंने साजिश करके पूरी रात शिलान्यास के शिलापट्ट की तोड़फोड़ करवाई और सभी अधिकारियों को धमकी दी कि तुम को बर्खास्त कर देंगे या मार देंगे।

महोदया, हम यह कहना चाहते हैं कि बिहार के मुख्यमंत्री और उनके मंत्री राज्य में आतंक फैला रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री जी के ख़ौफ़ से उनको नींद नहीं आ रही है, इसीलिए उन्होंने यह तोड़फोड़ की है। उनको और जितने अधिकारी इसमें शामिल रहे हैं, उन सभी को सज़ा मिलनी चाहिए। आप मेरी मां के समान हैं और आप हमारे साथ न्याय करेंगी। बिहार में पूरी तरह से जंगल राज हो गया है। बिहार सरकार के उस मंत्री के ख़िलाफ़ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। जितने भी अधिकारी इसमें शामिल रहे हैं, उनको बर्खास्त किया जाना चाहिए। बिहार के मुख्यमंत्री को यहां से कोई भी फण्ड नहीं जाना चाहिए। यह सारा फण्ड हमारे यहां के डीएम द्वारा भेजा जाना चाहिए ताकि वही काम करवाएंगे। हमें दो दिन में न्याय चाहिए और उन लोगों को, जिन्होंने यह तोड़फोड़ करवायी है, उन पथ निर्माण मंत्री जी को सज़ा मिलनी चाहिए। इसी तरह से उन्होंने इलेक्शन के समय भी हम पर हमला किया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई उस पर नहीं की गयी है। उस समय हम झांसी की रानी की तरह से अकेले ही बूथ पर उसका मुकाबला कर आ गए थे। बिहार सरकार को हमने धूल चटा दी है।...(व्यवधान) हम उसको वर्ष 2015 में फिर से धूल चटा कर रहेंगे। आप हमारी मां की तरह हैं, हमें दो दिन में न्याय मिलना चाहिए।...(व्यवधान)

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : महोदया, मैं श्रीमती वीणा देवी द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री राजीव प्रताप रूडी): महोदया, माननीय सदस्या ने हम से आ कर मुलाकात की थी।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सभी लोग क्यों बोल रहे हैं? क्या सभी न्याय देने के लिए खड़े हो गए हैं? हम हैं न, और इस बारे में बात कर रहे हैं।

श्री राजीव प्रताप रूडी : महोदया, श्रीमती वीणा देवी मुंगेर से सांसद हैं। इन्होंने आ कर के अखबार की पूरी कटिंग मुझे दिखायी थी। इनको एग्ज़िक्यूटिव इंजीनियर ने कहा था कि आप आ कर के शिलान्यास कीजिए और इन्होंने अपने कार्यकर्ताओं के साथ जा कर सड़कों का शिलान्यास किया था। अगले दिन जिस शिला पट्ट को लगाया गया था, उसको पूरा का पूरा उन्होंने ध्वस्त कर दिया गया। एक तो यह महिला सांसद हैं, इसके अलावा देश में किसी भी सांसद के साथ ऐसा हो सकता है कि अगर आप शिलापट्ट लगाएं और उसको बाद में कुछ लोग तोड़ दें। This is a very serious matter. I request the Hon. Speaker to give a direction. This is a matter related to a Member of Parliament. If such things happen with Members of Parliament, it should be taken up very seriously.

माननीय अध्यक्ष : इस की कोई जरूरत नहीं है रूड़ी जी। हम सारी बात समझ रहे हैं। वीणा देवी जी, आपने जो बात उठायी है, अगर ऐसा हुआ है तो हम उसको नोटिस में लेंगे। आप चाहें तो लिखित में भी मुझे दे दें। मैं उसको गृह मंत्रालय और संबंधित मंत्रालय को भेजूंगी। इसकी रिपोर्ट हम राज्य सरकार से भी मंगवाएंगे और कुछ न कुछ हम मंत्रालय के स्तर पर भी करेंगे। आप मुझे लिखित में भी देना चाहें तो दे सकती हैं। आपने जो विषय उठाया है, उसका भी मैं संज्ञान ले लूंगी।

डॉ. बूरा नरसैय्या गौड - उपस्थित नहीं।